नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

टैरिफ वार और जय किसान

अहमदाबाद की धरती से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस स्वर में घोषणा की, उसने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब किसी भी दबाव में झुकने वाला नहीं है. अमेरिका ने ऐलान किया है कि 27 अगस्त से वह भारत पर 50 फ़ीसदी टैरिफ लगाएगा. कारण यह बताया जा रहा है कि भारत डेयरी और कृषि उत्पादों पर ऊंचे टैरिफ लगाकर अमेरिकी उत्पादों को बाजार में प्रवेश नहीं करने देता. लेकिन असली सवाल यह है कि क्या भारत अपने किसानों और पशुपालकों की मेहनत को विदेशी कंपनियों की शर्तों पर बलिदान कर दे ?

प्रधानमंत्री मोदी ने अहमदाबाद के मंच से साफ कहा कि भारत अपने किसानों और पशुपालकों के हितों की रक्षा हर कीमत पर करेगा. हमारा देश किसी भी धमकी या दबाव के आगे नहीं झुकेगा .यह बयान केवल एक भाषण नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ठोस संदेश है. आज भारत का किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था की रीढ़ है. दूध, दाल, अनाज, सब्जी, फल और पशुपालन से जुड़ा हर छोटा परिवार भारत की ग्रामीण संस्कृति का हिस्सा है. अगर विदेशी सस्ते उत्पाद बेधड़क बाजार में उतरते हैं, तो सबसे बड़ा झटका इन्हीं परिवारों को लगेगा. ऐसे में सरकार का यह दायित्व बनता है कि वह अपने नागरिकों के श्रम, पसीने और रोजगार की रक्षा करे. मोदी ने यह दायित्व निभाने का वादा जनता के सामने दोहराया.

अमेरिका जैसे बड़े देश अपने किसानों को अरबों डॉलर की सब्सिडी देते हैं. जब वे ऐसा करते हैं, तो उसे 'कृषि सुरक्षा' कहा जाता है. लेकिन जब भारत अपने किसानों के लिए शुल्क बढ़ाता है, तो उसे 'व्यापारिक बाधा' कहा जाने लगता है. यह दोहरे मानदंड का जीता-जागता उदाहरण है. प्रधानमंत्री मोदी ने इसी पाखंड को बेनकाब किया है. भारत की 60 फ़ीसदी से अधिक आबादी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है. ऐसे में भारत के लिए किसानों और पशुपालकों की रक्षा केवल आर्थिक नीति का सवाल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान का विषय है. यह वही भारत है जो समझौते की मेज पर बैठकर चर्चा तो करेगा, लेकिन घुटनों के बल कभी नहीं झुकेगा.

अहमदाबाद से प्रधानमंत्री का यह संदेश केवल किसानों के लिए राहत का आश्वासन नहीं, बल्कि युवाओं और उपभोक्ताओं के लिए भी आत्मविश्वास का परिचायक है. जब सरकार किसानों को मजबूत करेगी, तभी आत्मनिर्भर भारत की राह मजबूत होगी. यही कारण है कि गुजरात का 'अमूल मॉडल' आज दुनिया भर में मिसाल बन चुका है. लाखों दुग्ध उत्पादकों ने सहकारिता के माध्यम से न केवल रोजगार पाया, बल्कि भारत को दुग्ध उत्पादन में विश्व का अग्रणी देश बना दिया. यही उदाहरण दिखाता है कि जब किसान और पशुपालक सुरक्षित होते हैं, तो पूरी अर्थव्यवस्था सुरक्षित होती है.

बहरहाल, टैरिफ युद्ध आने वाले दिनों में और तेज हो सकता है. लेकिन इस चुनौती में भी एक अवसर छिपा है. यदि भारत अपने किसानों और उद्योगों को संरक्षण देकर घरेलू उत्पादन बढ़ाए, तो यह संकट आत्मनिर्भरता की नई शुरुआत भी बन सकता है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रुख इसी दिशा की ओर इशारा करता है. अहमदाबाद की गूंज यही कहती है कि भारत किसी भी दबाव के आगे नहीं झुकेगा, क्योंकि किसान की रक्षा ही राष्ट्र की रक्षा है. यही है असली जय जवान, जय विज्ञान, और जय किसान.

वैश्विक चुनौतियों के बीच आगे बढ़ता भारत

प्रोफ़ेसर मनोज

निष्कर्ष-भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग की फिर से पुष्टि किया जाना केवल वर्तमान में किये जा रहे परफॉर्मेंस के प्रदर्शन का समर्थन नहीं है बल्कि यह भारत के भविष्य के विकल्पों में विश्वास का संकेत है. बुनियादी ढाँचे से लेकर अंतरिक्ष सुधारों तक, व्यापार कूटनीति से लेकर आगामी गहन तकनीकी नीति तक, सरकार स्पष्टता और दूरदर्शिता के साथ देश का मार्गदर्शन कर रही है. एक राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में, आईआईएम मुंबई, रिसर्च, पॉलिसी से जुड़ाव और विचार नेतृत्व के माध्यम से इस यात्रा में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है. 2047 तक भारत का लक्ष्य बाहरी टिप्पणियों से नहीं, बल्कि आज उसके द्वारा लिए गए संप्रभु विकल्पों से निर्धारित होगा - ऐसे विकल्प जो राष्ट्रीय हित को केंद्र में रखते हुए वैश्विक प्रगति में जिम्मेदारी से योगदान दें.

ऐसे समय में जब दुनिया की कई उन्नत अर्थ व्यवस्थाएँ भारी गतिरोध से जूझ रही हैं और कई उभरते वैश्विक बाजार अस्थिरता की चपेट में हैं, भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति को लगातार मजबूत बनाए हुए है. यह मजबूती, यह बढ़ती गति, मात्र कोई संयोग नहीं है. यह एक स्पष्ट सुधारपरकएजेंडा द्वारा समर्थित निर्णायक शासन को दर्शाता है. और इसी वजह से 2025 में भारत के सकल घरेलू उत्पादमें 6-6.5% की वृद्धि होने की उम्मीद है.

जब एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को स्थिर दृष्टिकोण के साथ फिर से 'बीबीबी' पररखा, तो यह केवल एक आँकड़ा नहीं था, बल्कि यह भारत के राजकोषीय अनुशासन, सुधार-संचालित नीतिगत विकल्पों और दुनिया भर में हो रही उथल-पुथल से निपटने में उसके दृढ़ता की मान्यता थी. पीएम गति शक्ति और नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चरपाइपलाइन जैसी प्रमुख पहलों के साथ-साथ जीएसटी जैसे फिस्कल इनोवेशंस और डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं, यूपीआई, आधार, ओएनडीसी को व्यापक रूप से अपनाने जाने ने भारत के विकास मॉडल को नए सिरे से परिभाषित किया है. यह संदेश वैश्विक स्तर पर गूंज रहा है कि - भारत न केवल बढ़ रहा है, बल्कि अलग-अलग पैमाने पर, समावेशिता और डिजिटल दक्षता के साथ बढ़ रहा है.

व्यापारिक रुझान और रणनीतिक स्वायत्तता- संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा चुनिंदा भारतीय निर्यातों पर 50त्न टैरिफ लगाने का हालिया निर्णय वैश्विक व्यापार में अस्थिरता की ओर ध्यान दिलाता है. फिर भी, भारत की आर्थिक लचीलापन की नीति यह सुनिश्चित करती है कि इसका व्यापक प्रभाव मामूली रहे - यानि अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.3 प्रतिशत अंक से अधिक नहीं. इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि ब्रिटेन के साथ चल रहे मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए), यूरोपीय संघ के साथ लगातार आगे बढ़ रही बातचीत और एशिया, अफ्रीका और मध्य पूर्व में गहरी साझेदारियों के साथ सरकार की डाइवर्सिफिकेशन रणनीति, व्यापार में देश के रणनीतिक स्वायत्तता के लक्ष्य को परिलक्षित करती है.

पीएलआई स्कीम्स, मेक इन इंडिया और नए निर्यात बाजारों को मिलाकर, भारत अपने को न केवल इन झटकों से सुरक्षित रख रहा है, बल्कि दीर्घकालिक आत्मनिर्भरता भी बना रहा है. यह सावधानीपूर्वक संतुलन और राष्ट्रीय हितों से समझौता किए बिना वैश्विक जुड़ाव, तेज गति से भारत की आर्थिक कूटनीति की एक परिभाषित विशेषता बनता जा रहा है.

गहन तकनीक की अनिवार्यता- यदि इंफ्रास्ट्रक्चर और राजकोषीय सुधार भारत की नींव हैं, तो गहन तकनीक (डीप टेक) देश का भविष्य है. भारत सरकार की आगामी नेशनल डीप टेक एंड साइंटिफिक रिसर्च पॉलिसी, तकनीकी संप्रभुता को सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. यह नीति कई अग्रणी क्षेत्रों को टारगेट करेगी. जैसे-

- गवर्नेंस, हेल्थकेयर और एजुकेशन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)
- ज़ लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए सेमीकंडक्टर्स
- सुरक्षित कम्युनिकेशन के लिए क्वांटम टेक्नोलॉजीस
- जीनोमिक्स और फार्मा इनोवेशन के लिए बायोटेक्नोलॉजी
- राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए स्पेस और डिफेंस टेक्नोलॉजीस
- रोबोटिक्स से लेकर 3डी प्रिंटिंग तक, एडवांस मैन्युफैक्चरिंग

लक्ष्य स्पष्ट है- भारत को न केवल साइंटिफिक इनोवेशन की अगली लहर में भाग लेना चाहिए, बल्कि उसका नेतृत्व भी करना चाहिए. अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने में भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र के अध्यक्ष डॉ. पवन गोयनका का उल्लेखनीय योगदान पहले से ही यह दर्शा रहा है कि भविष्य कैसा हो सकता है. अंतरिक्ष सुधार अब इस आदर्श के रूप में कार्य करते हैं कि सरकारें, उद्योग और शिक्षा जगत कैसे विभिन्न क्षेत्रों में गहन तकनीकी सफलताओं को गति देने में सहयोग कर सकते हैं.

मालवा- निमाड़ की डायरी

दलबदल कायम रख पाएगा लक्ष्मी की अध्यक्षी !

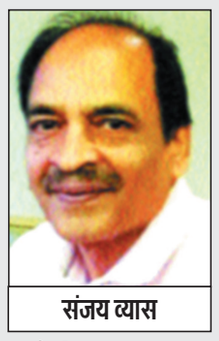
संजय व्यास

भाजपा की सुसनेर नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी राहुल सिसोदिया ने अपने खिलाफ 15 में से 12 पार्षदों द्वारा खोले गए मोर्चे से पस्त होकर पद बचाने के लिए कांग्रेस का दामन थाम लिया, लेकिन उनके सिर पर तलवार अभी भी लटकी हुई है. उल्लेखनीय है कि लक्ष्मी सिसोदिया की कार्यशैली से नाराज उनकी ही पार्टी के 7 भाजपा पार्षदों ने 4 कांग्रेसी और एक निर्दलीय पार्षद के साथ उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कुछ दिनों पूर्व उन्हें अध्यक्ष पद से हटाने का संकल्प लिया था. उसी तारतम्य में अविश्वास प्रस्ताव लाने हेतु कलेक्टर कार्यालय में आवेदन दिया. अविश्वास प्रस्ताव अभी प्रक्रिया में ही है इस बीच लक्ष्मी सिसोदिया ने अपने पार्टी संपर्कों के माधयम से भाजपा पार्षदों को समझाने के यत्न किए, मगर वे बेकार रहे.

अंतत: कांग्रेस विधायक भैरू सिंह परिहार 'बापू' ने मौका देख लक्ष्मी सिसोदिया को संकट से उबारने का आफर दिया और उन्हें कांग्रेस ज्वाइन करवा दी. बापू ने उन्हें 4 कांग्रेसी पार्षदों के समर्थन के प्रति आश्वस्त किया था, ताकि अविश्वास प्रस्ताव गिर सके. अब सूत्र बताते हैं कि श्रीमति सिसोदिया की मुश्किलें कम नहीं हुई हैं, 2 कांग्रेसी पार्षद अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में अड़ गए हैं और अध्यक्ष पद से बेदखली पर अमादा हैं. प्रक्रिया के तहत सभी 12 आवेदकों के हस्ताक्षरों का मिलान हो चुका है. अब देखना होगा कि सदन में अविश्वास प्रस्ताव का सामना वे किस तरह करती हैं, दलबदल उनकी अध्यक्षी कायम रख पाता है या पद हाथ से जाता है.

बर्फ पिघलती नजर आ रही

भीलांचल में भूरिया-पटेल परिवार में मन पर जमीं बर्फ पिघलती नजर आ रही है. वर्षों से एक -दूसरे से प्रतिस्पर्धात्मक कटुता रखते आए झाबुआ के स्थापित नेता कांतिलाल भूरिया और अलीराजपुर के दबंग नेता महेश पटेल परिवार के बीच इस बार अलग ही नजारा देखने को मिला. झाबुआ- अलीराजपुर में कांग्रेस जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के बाद भाबुआ विधायक व राष्ट्रीय आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया के झाबुआ स्थित कार्यालय में दोनों जिलों के अध्यक्षों का स्वागत समारोह रखा गया.

झाबुआ जिलाध्यक्ष प्रकाश रांका एवं अलीराजपुर जिलाध्यक्ष मुकेश पटेल ने एक-दूसरे का स्वागत किया. कांतिलाल भूरिया ने भी मुकेश पटेल के प्रति विनम्रता दिखाई. उन्होंने दोनों कांग्रेस जिलाध्यक्षों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए पार्टी की रीति-नीति के साथ पार्टी में हित में सक्रियता और मजबूती के साथ कार्य करने हेतु आव्हान किया तथा अपने-अपने जिलों में पार्टी का जिले के साथ ब्लॉक स्तरों पर भी विस्तार करने और कार्यकर्ताओं को एकजुट कर आगामी चुनावों में मजबूती से कार्य करने की बात कहीं. वर्षों बाद यह पहला मौका था जिसमें दोनों राजनीतिक परिवार एक मंच पर आए.

ऐसी भी बाढ़

निमाड़ और मालवा में इन दोनों भारी बाढ़ और जल जमाव से लोग त्रस्त हैं. आश्चर्य की बात तो यह है, कि पिछले वर्षों से काफी कम बरसात इस बार हुई है, लेकिन हालात पहले इतने खराब कभी नहीं हुए. इसके पीछे का कारण यह बताया जा रहा है कि कृत्रिम बाढ़ों के कारण बड़ी नदियों की स्थिति गंभीर हो गई है. निमाड़ के खंडवा जिले की बात करें, तो यहां चार बड़े डेम हैं. इंदिरा सागर और ओंकारेश्वर नर्मदा पर बने हैं. खंडवा जिले में बारिश पिछले वर्ष की तुलना में 9 इंच यानी 175 मिलीमीटर कम हुई है. इसके बावजूद इंदिरा सागर और ओंकारेश्वर के गेट कई बार खोले जा चुके हैं. इसका कारण यह है कि ऊपरी इलाके यानी अमरकंटक से खंडवा, ओंकारेश्वर तक चार डेम बने हुए हैं. जबलपुर के बरगी और मंडल की तरफ बारिश होती है, तो वहां पानी संग्रहित हो जाता है. इटारसी के पास तवा डैम के गेट भी खोल दिए जाते हैं. ऐसे माहौल में इंदिरा सागर और ओंकारेश्वर की नर्मदा में बाढ़ आ जाती है.

दहेज हत्यारों पर हो कठोर कार्रवाई

कानून के अनुसार दहेज लेना-देना दंडनीय अपराध है लेकिन स्वेच्छा से दी गई उपहार वस्तु ली जा सकती है. अत्यंत पीड़ाजनक है कि आज भी दहेज लोभी अमानुषिक अत्याचार व हत्या करने से बाज नहीं आते. ऐसे लोग इंसान की शक्ल में राक्षस से भी बदतर हैं. ग्रेटर नोएडा में विपिन भाटी नामक व्यक्ति ने अपने 6 वर्ष के बच्चे के सामने अपनी 26 वर्षीय पत्नी निक्की को थिनर डालकर जिंदा जला दिया. 2016 में शादी के बाद से वह महिला ससुराल में दहेज की कभी पूरी नहीं होने वाली मांग को लेकर भारी यातनाएं झेल रही थी. शादी में स्कोर्पियो समेत पर्याप्त दहेज दिया गया था लेकिन विपिन की निगाह अपने ससुर की मर्सिडीज कार पर थी और वह 35 लाख रुपए भी मांग रहा था. पता नहीं क्यों ऐसे दहेजलोभी अत्याचारी परिवार में निक्की के पिता ने अपनी दूसरी बेटी का भी ब्याह कर दिया. क्या उसे अपनी बेटियों की सुरक्षा की तनिक भी चिंता नहीं थी? राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के रिकार्ड के मुताबिक यूपी, बिहार और हरियाणा में दहेज प्रथा चरम पर है. इन दोनों बहनों की कानून या एनजीओ तक पहुंच नहीं थी जो उनकी रक्षा कर सके. विपिन और रोहित नामक इन भाइयों की मानसिकता पत्नियों के साथ हिंसक बर्ताव करने की थी. 2022

ग्रेटर नोएडा में विपिन भाटी नामक व्यक्ति ने अपने 6 वर्ष के बच्चे के सामने अपनी 26 वर्षीय पत्नी निक्की को थिनर डालकर जिंदा जला दिया.

में आई एनसीआरबी रिपोर्ट के अनुसार देश में दहेज हत्या के 60,577 मामले अदालतों में थे. मुश्किल से 2 प्रतिशत मामलों में सजा हुई. आमतौर पर पोस्टमार्टम रिपोर्ट व अन्य फॉरेंसिक सबूत आधे-अधूरे रहने से अपराधी छूट जाते हैं. यह भी शिकायतें हैं कि डॉक्टरों के इनकार करने पर अप्रशिक्षित सफाई कर्मचारी पोस्टमार्टम करते हैं. ग्रेटर नोएडा के इस मामले में प्रथम सूचना रिपोर्ट में बीएनएस की दहेज विरोधी धारा 80 नहीं लगाई गई. ऐसा क्यों हुआ? क्या पुलिस पर कोई दबाव था या अपराधियों के साथ नरमी बरती गई? ऐसे प्रकरणों में ईमानदारी से जांच-पड़ताल कर, सबूत जुटाकर दोषियों को दंड दिया जाना चाहिए ताकि अन्य हिंसक दहेज लोभियों को सबक मिले.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

वोट चोरी का आरोप कितना सच्चा दिल बहलाने ख्याल अच्छा

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, मनसे के अध्यक्ष राज ठाकरे ने बीजेपी का नाम लिए बगैर आरोप लगाते हुए कहा कि वो इतने साल से वोट चोरी कर सरकार बना रहे हैं. इसके जवाब में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मिर्जा गालिब का शेर सुनाते हुए कहा- हमको मालूम है जन्नत की हकीकत लेकिन दिल को बहलाने के लिए ये ख्याल अच्छा है. इस पर आपकी क्या राय है?

हमने कहा, बीजेपी नेता मानते हैं कि विपक्ष की हालत खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे जैसी हो गई है. वह खुद को सत्ता का हकदार मानता है और अपनी हार पचा नहीं पा रहा है इसलिए दिल को बहलाने के लिए वोट चोरी का आरोप लगाने लगा है.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, दिल बहलाने के लिए पुराने राजा-महाराजा शिकार खेलने जाते थे या जुआ खेलते थे. आम जनता नौटंकी और तमाशा देखती थी फिर लोग सिनेमा देखने लगे. दिल बहलाने के लिए लोग क्लब से लेकर कैबरे तक जाते हैं. मंत्री अपना दिल बहलाने के लिए

सदन में मोबाइल पर रमी खेलता है.

हमने कहा, यह सब दिल की वजह से है. जनता जिस पार्टी को पसंद करती है उसे वोट देते हुए कहती है- दिल भी तेरा, हम भी तेरे! कभी दिल अपना और प्रीत पराई जैसी हालत हो जाती है. चुनाव में पैसे का खेल होता है. इसलिए उम्मीदवार पूछता है यार दिलदार तुझे कैसा चाहिए, प्यार चाहिए कि पैसा चाहिए! पैसा बांटने वाली योजनाओं से चुनाव जीते जाते हैं. जो पार्टी हार जाती है, उसके नेता कहते हैं- दिल के अरमां आंसुओं में बह गए, हम भरी दुनिया में तन्हा रह गए! जब सत्ता के लिए बेमेल गठबंधन बनाना पड़ता है तो सहयोगी दलों से कहा जाता है- दिल से मिला के दिल प्यार कीजिए, कोई सुहाना इकरार कीजिए! सहयोगी पार्टी कहती है- मेरे दिल में आज क्या है, तू कहे तो मैं बता दूं ! खुद को सेक्युलर बताने वाले नेता जब किसी सांप्रदायिक पार्टी से गठबंधन करते हैं तो कहते हैं- हम आज कहीं दिल खो बैठे, यूं समझो किसी के हो बैठे! एक बार चुनाव जीतने के बाद नेता जनता को मुंह नहीं दिखाता. तब उसकी मानसिकता रहती है- दिल ढूंढता है फिर व वही फुरसत के रात-दिन ! सत्ता से बाहर हो जाने पर दुखी नेता गुनगुनाता है- फिर वही शाम वही गम, वही तन्हाई है, दिल को बहलाने तेरी याद चली आई है.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12004 -डॉ. सागर खादीवाला

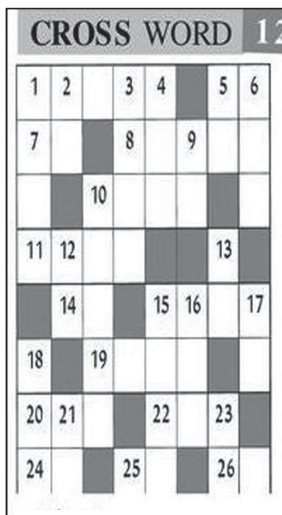

बाएं से दाएं

1.इस्लाम मजहब को मानने वाला, मुस्लिम 5. भविष्य में आने वाला, आने वाला समय 7. हड्डी के भीतर भरा हुआ स्निग्ध प्रदार्थ या गूदा (सं.) 8. भीगा हुआ, आर्द्र (उर्दू) 10. एक राय, जिसकी राय दूसरे से मिलती हो 17. सीख, उपदेश, अच्छी राय, (उर्दू) 14. शालि जिसमें चावल निकलता हैं 15. एक प्रकार का रेशमी कपड़ा जिसके एक ओर रोएं उभरे होते हैं 19. ठंडापन, सर्दी, जड़ता 20. एक प्रकार का हरिण 22. रूठे हुए को प्रसन्न करना 24. कोई शब्द या बात बार-बार बोलने का काम 25. लंबा तथा नुकीला कांटा 26. तेज नोक वाला, तेज, तीव्र, प्रखर

ऊपर से नीचे

1. संभाव्य, जो हो सकता हो, संभव (उर्दू) 2. सजावट, साज-सामान, पोशाक 3. अधीनस्थ कर्मचारी (उर्दू) 4. कोमल 5. पानी में उबालकर पकाया हुआ चावल 6. बहादुरी 9. बात का संक्षिप्त रूप 10. सहने या बरदाश्त करने वाला 12. सरल, जो टेढ़ा न हो 13. गृह, मकान, पवित्र तीर्थ 15. बारीक सूत से बना पतला कपड़ा 16. खाते में दर्ज करना 17. लात मारने की क्रिया, कपड़े की लंबी ध'जी 18. परकोटा, चारों ओर से घेरने वाली दीवार 21. किनारा, कूल 23. दोहता, लड़की का लड़का

Solution 12003

इं	द्र	ध	नु	ष		स	च
गि		र		ड़ा	क	घ	र
त	र	णी		न		न	म
		ध	र	न			रा
स	म	र	स		क	स	ना
त्या	ग		ने	त्र		म	
ना		इ	न्द्रि	य	नि	ग्र	ह
स	वि	न	य		द्रा		र्ष

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में राजनैतिक कार्यों में सफलता मिलेगी, नवीन योजनाओं का शुभारंभ होगा, वर्ष के मध्य में तीर्थ यात्रा या धार्मिक कार्यों में रूचि रहेगी, राज्य सम्मान मिलेगा, प्रभाव बना रहेगा, वर्ष के अन्त में पारिवारिक चिन्ता से मन विचलित रहेगा, कार्य क्षेत्र में आकस्मिक रूकावटें आयेंगी, धन संकट का सामना करना पडेंगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को नवीन योजनाओं का शुभारंभ होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को राज्य सम्मान मिलेगा, प्रभाव में वृद्धि होगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को तीर्थ यात्रा या धार्मिक कार्यों में रूचि रहेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को धन संकट का सामना करना पडेगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को पारिवारिक चिन्ता से मन विचलित रहेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को आकस्मिक परेशानी आ सकती है, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को राजनैतिक कार्यों में सफलता मिलेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक गंभीर, उदार, एवं दृढ़ निश्चयी होगा. स्वाभाव मिलनसार एवं हंसमुख रहेगा. इनकी स्मरण शक्ति अच्छी होती है. भाग्यशाली आकर्षक व्यक्तित्व का होगा. दूसरों को अपनी ओर प्रभावित करने की इनमें क्षमता होती है.

मेष- कोर्ट कचहरी के कार्यों में सफलता प्राप्त होगी. नवीन कार्योंमें लाभदायक अवसर प्राप्त होगा. महत्वाकांक्षी योजना बनेगी. लाभ प्राप्त होगा.

वृषभ- आय एवं व्यय की अधिकता रहेगी. गुप्त शत्रुओं से चिन्ता रहेगी. अपमान एवं तनाव से बचें. धन प्राप्त होने का अवसर मिलेगा. साहस रखें.

मिथुन- जीवनसाथी का सहयोग रहेगा. व्यवसायिक कार्यों में सफलता प्राप्त होगी. भ्रमण मनोरंजन, आमोद प्रमोद के सुख प्राप्त होंगे. संयम से कार्य करें.

कर्क- दिनचर्या नियमित रहेगी. इच्छानुसार कार्य बनेंगे. प्रिय व्यक्ति की भेंटवार्ता होगी. लाभदायक अवसर प्राप्त होगा. पराक्रम बना रहेगा.

सिंह- पारिवारिक समस्या का समाधान होगा. खानपान पर नियंत्रण रखें. पूज्य व्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी. मांगलिक कार्यो का लाभ मिलेगा.

कन्या- मित्र समागम से लाभ होगा. पारिवारिक विवादों को टालें. कुटुम्बियों से संतुलित संभाषण हितकर रहेगा. यश प्राप्त होने का योग है.

तुला- मांगलिक कार्यों में व्ययभार होगा. मान सम्मान प्राप्त होगा. भाई बंधुओं का सुख यथेष्ठ सहयोग प्राप्त होगा. पराक्रम पुरूषार्थ बना रहेगा.

वृश्चिक- श्रम एवं प्रयास से सफलता मिलेगी. सामाजिक कार्यों में यश प्राप्त होगा. नियमितता का ध्यान रखकर कार्य करें. खानपान पर ध्यान रखें.

धनु- जमीन जायजाद प्रापर्टी आदि के कार्यों में व्यवधान होगा. अनावश्य खर्च से आपका बजट बिगड़ सकता है. मित्राता उपयोगी सिद्ध होगी.

मकर- राजकीय कार्यों में खर्च होगा. अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा. आपकी जबाबदारी से परिवर्तन आ सकता है. सुख, संयम यश मिलेगा.

कुम्भ- संतान पक्ष की चिन्ता रहेगी. आर्थिक कार्यों में सफलता प्राप्त होगी. भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी. साहस, संयम पराक्रम बना रहेगा.

मीन- आर्थिक संसाधनों में वृद्धि होगी. दूर दराज की यात्रा में सावधानी बरतें. नियमितता का ध्यान रखकर कार्य करना हितकर रहेगा. साहस बढ़ेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

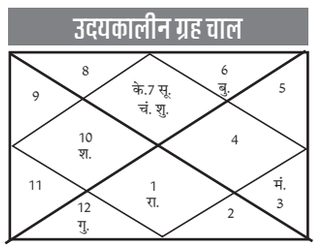

पंचांग

रा.मि. 05 संवत् 2082 भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी बुधवासरे दिन 2/7, हस्त नक्षत्रे प्रात: 6/0, शुभ योगे दिन 1/31, विष्टि करणे सू.उ. 5/40 सू.अ. 6/20, चन्द्रचार कन्या रात 7/8 से तुला, पर्व-वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत, गणेशोत्सव प्रारंभ, शु.रा. 6,8,9,12,1,4 अ.रा. 7,10,11,2,3,5 शुभांक- 8,0,5.

व्यापार भविष्य

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी को हस्त नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, पीतल, लोहा, गुड़ खांड, चीनी, ज्वार, के भाव में तेजी का रूख रहेगा. सरसों, तिल, गेहूँ, घी, के भाव में नरमी का रूख रहेगा. वायदा विचार आज जिस वस्तु के भाव टूटें, उसी में मंदी होगी. भाग्यांक 2611 है.

SUDOKU 7136

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7135

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2